भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2635
04 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणालियाँ
2635. श्री कोडिकुन्नील सुरेशः
क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा केरल के कुट्टनाड कृषि विरासत प्रणाली को वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणालियाँ (जीआईएएचएस) स्थल के रूप में मान्यता मिलने के बाद, सरकार द्वारा इसे प्रदान की गई वित्तीय, तकनीकी और संस्थागत सहायता का ब्यौरा क्या है;
(ख) कुट्टनाड जीआईएएचएस स्थल के संरक्षण और संधारणीय विकास के लिए स्वीकृत की गई परियोजना, आवंटित निधि और किए गए व्यय का वर्षवार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार द्वारा कुट्टनाड कृषि विरासत प्रणाली के संरक्षण, जलवायु संवेदनशीलता, ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार के लिए कोई विशिष्ट कार्ययोजना तैयार की गई है या किए जाने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या इस स्थल के दीर्घकालिक संरक्षण और प्रबंधन के लिए केरल सरकार और अन्य संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श किया गया है; और
(ङ) कुट्टनाड को विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण कृषि-विरासत परिदृश्य के रूप में सुदृढ़ और प्रचारित करने के लिए आगे क्या कदम उठाए जाने का विचार है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) और (ख): खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), भारत द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, केरल की कुट्टनाड कृषि प्रणाली को वर्ष 2013 में एफएओ के जीआईएएचएस कार्यक्रम के अंतर्गत वैश्विक महत्व की कृषि विरासत प्रणाली (जीआईएएचएस) के रूप में मान्यता प्रदान की गई थी।

केरल सरकार द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा कुट्टनाड को विशेष कृषि क्षेत्र घोषित किया गया है। कृषि संकट के शमन तथा कुट्टनाड आर्द्रभूमि इकोसिस्टम की पुनर्स्थापना हेतु एक व्यापक कुट्टनाड पैकेज वर्ष 2008–2019 के दौरान 14 से अधिक कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से क्रियान्वित किया गया। इसके लिए विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों एवं योजनाओं, केरल सरकार की योजनाओं तथा वित्त आयोग के अनुदानों के माध्यम से धनराशि जुटाई गई। केरल राज्य योजना बोर्ड द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च, 2019 तक इस पैकेज के अंतर्गत लगभग ₹1,013.35 करोड़ की राशि व्यय की जा चुकी थी।

अलाप्पुझा स्थित 'अधः समुद्रतलीय कृषि हेतु अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र' (आईआरटीसीबीएसएफ) कुट्टनाड में जलवायु परिवर्तन तथा सेलिनिटी इण्ट्रूजन से संबंधित अनुसंधान करता है और उत्पादकता तथा किसानों की आय में सुधार हेतु प्रौद्योगिकियां विकसित करता है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट घटक) के अंतर्गत "कुट्टनाड में जलकुंभी (**Eichhornia crassipes)** का पारिस्थितिक उपयोग" शीर्षक से एक परियोजना वर्ष 2022-23 के दौरान ₹1,513 लाख की परियोजना लागत सहित स्वीकृत की गई, जिसके लिए ₹107.52 लाख जारी किए जा चुके हैं।

भारत सरकार विभिन्न केंद्रीय क्षेत्र तथा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के माध्यम से सतत कृषि, कृषि-जैव विविधता के संरक्षण, जलवायु अनुकूलनशीलता तथा किसानों की आजीविका को भी सहायता प्रदान करती है। कुट्टनाड क्षेत्र के किसान एवं संस्थान संबंधित योजना दिशा-निर्देशों और राज्य सरकार द्वारा राज्य की वार्षिक कार्रवाई योजना में प्रस्तावित प्राथमिकता के अधीन इन योजनाओं के तहत सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं। कुट्टनाड क्षेत्र के संबंध में रिपोर्ट की गई संबंधित परियोजनाओं तथा सहायता का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा कुट्टनाड क्षेत्र के पदासेखरम हेतु वर्ष 2014-15 तथा 2017-18 के दौरान कुल ₹54.63 करोड़ की लागत से दो बाढ़ शमन परियोजनाएं क्रियान्वित की गईं।

केरल सरकार ने कुट्टनाड क्षेत्र में निम्नलिखित राज्य योजना की स्कीमों के कार्यान्वयन की रिपोर्ट दी है:

(i) कुट्टनाड में कृषि क्षेत्र का विकास, जिसके अंतर्गत धान खेत इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने हेतु वर्ष 2025-26 के दौरान ₹7 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया था। वर्ष 2020-21 से, परंपरागत पेट्टी एवं परा प्रणालियों को वर्टिकल एक्सियल फ्लो (वीएएफ) पंप सेटों से प्रतिस्थापित करने हेतु ₹2,017.55 लाख का व्यय किया जा चुका है।

(ii) कुट्टनाड धान इकोसिस्टम एवं एकीकृत कृषि के सतत विकास हेतु रीबिल्ड केरल इनिशिएटिव परियोजना, जिसका परिव्यय ₹203 लाख है।

(iii) कुट्टनाड में धान की खेती हेतु सहायता, जिसके अंतर्गत धान किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

(iv) ग्रामीण इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास निधि (नाबार्ड) जनरल, जिसके अंतर्गत कुल ₹1,800 लाख के परिव्यय वाली दो इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं कार्यान्वयनाधीन हैं।

(ग) से (ङ): भारत सरकार विभिन्न जारी केंद्रीय क्षेत्र तथा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के माध्यम से कुट्टनाड क्षेत्र को लगातार सहायता प्रदान कर रही है, जिनके अंतर्गत संबंधित योजनाओं के प्रावधानों और राज्य सरकार द्वारा राज्य की वार्षिक कार्रवाई योजना में प्रस्तावित प्राथमिकता के अधीन सतत कृषि, जलवायु अनुकूलनशीलता, कृषि यंत्रीकरण, जल प्रबंधन, इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास तथा किसानों की आजीविका हेतु सहायता उपलब्ध है।

कृषि मशीनीकरण उप-मिशन (एसएमएएम) के अंतर्गत धान रोपण यंत्र, कंबाइन हार्वेस्टर, पावर टिलर तथा निराई यंत्रों सहित उपयुक्त कृषि यंत्रों की खरीद हेतु तथा लघु एवं सीमांत किसानों के लिए कृषि यंत्रों तक पहुंच में सुधार हेतु कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध है। नहरों की गाद निकासी, बंधों की मजबूती तथा पंपिंग प्रणालियों के आधुनिकीकरण सहित इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं जल प्रबंधन हस्तक्षेपों को भी पीएम-आरकेवीवाई जैसी योजनाओं के अंतर्गत सहायता दी जाती है, जबकि जल निकासी एवं बाढ़ शमन इन्फ्रास्ट्रक्चर को नाबार्ड सहायता से ग्रामीण इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास निधि के अंतर्गत समर्थन दिया जाता है। ये प्रयास कुट्टनाड क्षेत्र में उत्पादकता में सुधार, जलवायु अनुकूलनशीलता को सुदृढ़ करने तथा सतत कृषि को समर्थन देने में सहायक होते हैं।

अनुबंध

वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणालियों के संबंध में लोक सभा में 4 अगस्त 2026 को उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 2635 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

तालिका 1. कुट्टनाड क्षेत्र में भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति का विवरण

(रुपये लाख में)

वर्ष	आबंटन	व्यय
2021-22	191.33	190.47
2022-23	121.80	120.84
2023-24	39.71	36.81
2024-25	49.23	33.69
2025-26	111.03	62.45

तालिका 2. कुट्टनाड क्षेत्र में मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता स्कीम का विवरण

(रुपये लाख में)

वर्ष	आबंटन	व्यय
2024-25	23.90	23.90
2025-26	30.76	21.44

तालिका 3. कृषि विस्तार उप-मिशन — एसएमएई-एटीएमए

(रुपये लाख में)

वर्ष	आबंटन	व्यय
2021-22	182.81	182.81
2022-23	185.94	185.94
2023-24	148.10	148.10
2024-25	127.86	127.86
2025-26	182.20	182.20

तालिका 4. आरकेवीवाई-डीपीआर – जारी फंड एवं व्यय

(रुपये लाख में)

वर्ष	जारी	व्यय
2021-22	338.47	338.39
2022-23	172.05	171.97
2023-24	0.00	0.00
2024-25	123.02	123.02
2025-26	348.54	291.98
आईआरटीसीबीएसएफ की चल रही परियोजना	1513.00	107.52

तालिका 5. पीएम-आरकेवीवाई डीपीआर स्कीम के अंतर्गत अन्य परियोजना

(रुपये लाख में)

परियोजना का नाम	वर्ष	स्वीकृत राशि	पिछले 5 वर्षों के दौरान जारी की गई राशि
केरल के कुट्टनाड में जलकुंभी (Eichornia crassipes) का इकोलोजिकल उपयोग (KE/RKVY-NRM/2022/1499), आईआरटीसीबीएसएफ द्वारा कार्यान्वित	2022-23	1513	82.98
(उपर्युक्त परियोजना जारी)	2025-26	—	24.54

तालिका 6. कृषि मशीनीकरण उप-मिशन (एसएमएएम)

(रुपये लाख में)

वर्ष	आबंटित	उपयोग की गई राशि
2021-22	1591.02	1379.15
2022-23	2086.05	2064.95
2023-24	950.26	47.59
2024-25	381.41	370.40
2025-26	78.83	78.83

*****